जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

6 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग ने सामाजिक कार्य में कहानी पाठ पर सत्र आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के सामाजिक कार्य विभाग के सेमिनार कक्ष में 'परिवर्तन के लिए कथाएँ: सामाजिक कार्य में कहानी पाठ ' नामक आकर्षक सत्र में दिनाँक 3 फरवरी 2025 को प्रतिष्ठित कहानीकार और आजतक पॉडकास्ट के वरिष्ठ संपादक, श्री जमशेद कमर सिद्दीकी ने कहानी पाठ किया । इस सत्र में छात्रों, पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया ।

अपने उद्घाटन वक्तव्य में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष प्रो. नीलम सुखरामानी ने विविध समाजों में सामाजिक कार्य और कहानी पाठ के बीच अंतर्निहित संबंध पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कहानी लेखन में रचनात्मकता को अनुकूलित करने और संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा को गति देने की क्षमता है। श्री असरार हक जिलानी ने श्री सिद्दीकी का परिचय दिया और हमारी चेतना को चुनौती देने और उसका विस्तार करने में कहानियों के गहन प्रभाव के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि कहानी पाठ और सामाजिक कार्य एक समान ढाँचा साझा करते हैं जिसे चार 'पीएस' द्वारा परिभाषित किया जाता है: प्लॉट (कथानक), पीपल(लोग), प्रोबलम (समस्या) और प्लेस (स्थान)।

श्री जमशेद क़मर सिद्दीकी ने अपने सत्र की शुरुआत दो सम्मोहक कथाओं के माध्यम से सामाजिक कार्य और कहानी पाठ के बीच के संबंध को स्पष्ट करके की- पहली कोविड लॉकडाउन के बारे में एक सामान्य कथा और दूसरी एक व्यक्तिगत मार्मिक कहानी। उन्होंने कहा कि बाद की कहानी दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ी, यह दर्शाती है कि किस प्रकार कहानी पाठ हमें दूसरों के अनुभवों के माध्यम से दुनिया को देखने की अनुमति देता है, जो सहानुभूति के मूल सामाजिक कार्य मूल्य के साथ संरेखित करता है। श्री सिद्दीकी ने कहानी पाठ की कला के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की और इस बात पर रोशनी डाली कि कहानियों का मूल संघर्ष से समाधान तक की यात्रा में किस प्रकार निहित है। सत्र में श्री सिद्दीकी के पॉडकास्ट से एक मार्मिक कहानी पेश की गई जिसका शीर्षक था "ए डॉग विदाउट ए नेम" जिसने दर्शकों को बहुत प्रभावित किया और दर्शकों को बदलाव और अच्छाई लाने के लिए प्रेरित करने में कहानी पाठ की ताकत को रेखांकित किया। श्री सिद्दीकी ने सामाजिक मुद्दों को देखने के लिए कहानी पाठ को एक महत्वपूर्ण विधि के रूप में महत्व देते हुए अपनी बात को समाप्त किया। उन्होंने इस बात का तर्क दिया कि कई वैश्विक संघर्ष धारणा के टकराव से उत्पन्न होते हैं और कहानी पाठ व्यक्तियों को दूसरों के दृष्टिकोण से दुनिया को देखने-समझने में सक्षम बनाकर सहानुभूति को बढ़ावा देता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह सहानुभूतिपूर्ण समझ, अधिक सामंजस्यपूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए आवश्यक है। इसके बाद छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

डॉ. हेम बोरकर , सत्र के संकाय समन्वयक ने समापन टिप्पणी प्रस्तुत की जिसमें बताया गया कि किस प्रकर मनुष्य मूल रूप से कहानी कहने वाले पशु हैं और उन्होंने इस बात पर रोशनी डाली कि किस प्रकार कहानियों का एक लंबा इतिहास है जो हमें अर्थ गढ़ने और खुद से बड़ी किसी चीज़ का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है। पूरे सत्र का समन्वय हौमेरा, फरहत, हिदा, समीर और एल्बी नामक उन छात्रों द्वारा किया गया जिन्हें फील्ड प्रैक्टिस में कहानी पाठ वाले वातावरण में रखा गया था।

सत्र बहुत ही सफल रहा जिसने प्रतिभागियों को कहानी पाठ को अपने सामाजिक कार्य प्रैक्टिस में एकीकृत करने के लिए प्रेरित किया, सहानुभूति जागृत करने और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए इसकी ताकत का इस्तेमाल किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया